



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 104]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, मार्च 10, 2005/फाल्गुन 19, 1926

No. 104]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 10, 2005/PHALGUNA 19, 1926

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बीमा प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 मार्च, 2005

सा.का.नि. 166(अ).—साधारण बीमा करोबार (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1972 की धारा 9 की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निगम की प्राधिकृत पूंजी को बढ़ाती है, जो दस करोड़ में विभाजित प्रत्येक के एक सौ रुपए के पूर्ण चुकता मूल्य के शेर वाली एक हजार करोड़ रुपए की होगी, जिसमें से पांच करोड़ रुपए निगम की प्रारंभिक अभिदत्त पूंजी होगी।

[फ. सं. 12/1/2005-बीमा-IV]

जी. सी. चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Insurance Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th March, 2005

G.S.R. 166(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Sub-section (2) of Section 9 of General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972, the Central Government hereby increases the authorized capital of the Corporation which shall be rupees one thousand crores, divided into ten crores fully paid-up shares of one hundred rupees each, out of which rupees five crores shall be the initial subscribed capital of the Corporation.

[F. No. 12/1/2005-Ins. IV]

G. C. CHATURVEDI, Jt. Secy.